कुल छपे प्रश्नों की संख्या 20
कुल छपे पृष्ठों की संख्या 8

नामांक

अर्द्ध वार्षिक परीक्षा सत्र - 2021-22

विषय : हिन्दी

कक्षा - X (दसवीं)

समय : 2:45 घंटे **पूर्णांक : 48**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश -

(1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर अपना नामांक अनिवार्यतः लिखें।

(2) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।

(3) सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं।

(4) जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।

(5) प्रश्नों के अंक प्रश्न-पत्र में प्रश्न के सामने ही दिए गए हैं।

खण्ड–अ

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उनसे सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 1×5=5

साहस की जिन्दगी सबसे बड़ी जिन्दगी होती हैं। ऐसी जिन्दगी की सबसे बड़ी पहचान यह है कि वह बिल्कुल निडर बिल्कुल बेखौफ होती हैं। साहसी मनुष्य की पहली पहचान यह है कि वह इस बात की चिन्ता नहीं करता कि तमाशा देखने वाले लोग उसके बारे में क्या सोच रहे हैं। जनमत की उपेक्षा करके जीने वाला आदमी दुनिया की असली ताकत होता है और मनुष्यता को प्रकाश भी उसी आदमी से मिलता है। क्रान्ति करने वाले लोग अपने उद्देश्य की तुलना न तो पड़ोसी के उद्देश्य से करते हैं और न अपनी चाल को मन्दिम बनाते हैं। साहसी मनुष्य उन सपनों में भी रस लेता है जिन सपनों का कोई व्यवहारिक अर्थ नहीं है।

rajgnm.in https://www.rajasthanboard.com

(क) लेखक के अनुसार किस प्रकार की जिन्दगी सबसे बड़ी जिन्दगी कही जाती है?

(अ) समझौतावादी जिन्दगी

(ब) साहस की जिन्दगी

(स) सादगीपूर्ण जिन्दगी

(द) अवसरवादी जिन्दगी

(ख) साहसी मनुष्य की पहली पहचान यह है कि वह –

(अ) सदा आगे बढ़ता जाता है

(ब) लोगों की सोच की परवाह नहीं करता

(स) बिल्कुल लापरवाही नहीं करता।

(द) बाधाओं से नहीं घबराता

(ग) दुनिया की असली ताकत किस प्रकार के लोग होते हैं?

(घ) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक छाँटिए –

(ङ) क्रान्ति करने वाले लोग अपनी तुलना किससे नहीं करते?

2. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर उनसे सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

$1 \times 5 = 5$

rajgnm.in

चिलचिलाती धूप को जो चाँदनी देवे बना।
काम पड़ने पर करें जो शेर का भी सामना॥
जो कि हँस-हँस के चबा लेते हैं लोहे का चना।
है कठिन कुछ भी नहीं जिनके हैं जी में यह ठना॥
कोस-कितने ही चले पर वें कभी थकते नहीं।

https://www.rajasthanboard.com

कौन-सी है गाँठ जिसको खोल वे सकते नहीं।

संकटों से बीर घबराते नहीं, आपदायें देख छिप जाते नहीं

लग गये जिस काम में पूरा किया, काम करके व्यर्थ पछताते नहीं

हो सरल या कठिन हो रास्ता, कर्मवीरों को न इससे वास्ता।

बढ़ चले तो अन्त तक ही बढ़ चले, कठिनतर गिरिशृंग ऊपर चढ़ चले-

(क) वीर पुरुषों की विशेषता होती है

(अ) कार्य करने का कौशल प्राप्त करते हैं।

(ब) प्रारम्भ किए कार्य को अधूरा छोड़ देते हैं।

(स) बाधाओं के भय से काम शुरू नहीं करते

(द) संकटों का सामना करते हुए कार्य पूरा करते हैं।

rajgnm.in

(ख) 'चिलचिलाती धूप को जो चाँदनी देवे बना' पंक्ति का आशय है-

(अ) वीर पुरुष अपने पुरुषार्थ से असम्भव कार्य भी सम्भव कर देते हैं।

(ब) वीर पुरुष चिलचिलाती धूप में चाँदनी कर देते हैं।

(स) चिलचिलाती धूप में चाँदनी रात का अनुभव करते हैं।

(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

rajgnm.in

(ग) 'गिरिशृंग' का अर्थ बताइये?

(घ) पद्यांश का शीर्षक बताइए?

(ङ) वीर पुरुष किससे नहीं घबराते?

3. निम्नलिखित प्रश्नों में सही विकल्प चुनिए - 1×5=5

(क) 'भृगुसुत' से तात्पर्य है

(अ) परशुराम (ब) विश्वामित्र

(स) लक्ष्मण (द) राम

(ख) मन्नू भंडारी का जन्म हुआ था-

(अ) इंदौर में (ब) भानपुरा गाँव में

(स) जबलपुर में (द) भोपाल में

(ग) भोलनाथ का वास्तविक नाम था -

(अ) शिवपूजन सहाय (ब) बम भोला

(स) तारक मेहता (द) तारकेश्वरनाथ

(घ) 'आखार शब्द' का तत्सम रूप होगा -

(अ) आँख (ब) अक्ष

(स) अक्षर (द) अक्षि

(ङ) जिस शब्द की विशेषता बताई जाए वह कहलाता है-

(अ) विशेषण (ब) विशेष्य

(स) प्रविशेषण (द) कोई नहीं

4. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए - ½×½×½×½=2

(क) राम आम खाता है, रेखांकित शब्द .... संज्ञा है।

व्यक्तिवाचक / जातिवाचक

(ख संज्ञा के स्थान पर काम आने वाले शब्द .... कहलाते हैं।

सर्वनाम/ विशेषण

5. 'अधि' व 'सम' उपसर्ग का प्रयोग कर दो-दो शब्द बनाइये ? 1

6. 'इक' प्रत्यय का प्रयोग कर दो शब्द बनाइये। 1

rajgnm.in

7. आस्तीन का साँप होना मुहावरे का अर्थ बताइये। 1

8. शिशु कवि को पहली बार में क्यों नहीं पहचान पाया? 1

खण्ड–ब

निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए। उत्तर सीमा – (40–60 शब्द)

9. कवि 'आत्मकथा' लिखने से क्यों बचना चाहता है? 1½

10. कवि की आँख फागुन की सुंदरता से क्यों नहीं हट रही हैं? 1½

11. सेनानी न होते हुए भी चश्मे वाले को लोग कैप्टन क्यों कहते हैं थे? 1½

12. पतोह से पति की चिता को आग लगवाना बालगोबिन की किस मानसिकता का परिचय कराता है? 1½

13. आपके विचार से भोलानाथ अपने साथियों को देखकर सिसकना क्यों भूल जाता है। 2

rajgnm.in

14. जॉर्ज पंचम की नाक लगने वाली खबर के दिन अखबार चुप क्यों थे? 2

15. 'माता का अँचल' पाठ का केन्द्रीय भाव स्पष्ट कीजिए। 2

16. नई दिल्ली की कायापटल क्यों होने लगी? 2

खण्ड–स

17. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर एक निबन्ध लिखिए – 4

(क) स्वच्छ भारत : स्वस्थ भारत

(अ) स्वच्छता क्या है

(ब) स्वच्छता के प्रकार

https://www.rajasthanboard.com

(स) स्वच्छता के लाभ

(द) हमारा योगदान

(य) उपसंहार

(ख) पर्यावरण प्रदूषण : कारण और निवारण

(अ) पर्यावरण क्या है

(ब) प्रदूषण के विविध प्रकार

(स) प्रदूषण के कुप्रभाव

(द) निवारण के उपाय

(य) उपसंहार

(ग) कोरोना वायरस -21वीं सदी की महामारी -

(अ) प्रस्तावना

(ब) कोरोना वायरस - लक्षण एवं बचाव के तरीके

(स) महामारी का सामाजिक प्रभाव

(द) आर्थिक प्रभाव

(य) उपसंहार

18. स्वयं को नगर पालिका लक्ष्मणगढ़ के वार्ड 14 का निवासी मानते हुए स्वास्थ्य अधिकारी को वार्ड की शोचनीय अस्वच्छता की स्थिति से अवगत कराते हुए सफाई की समुचित व्यवस्था कराने के लिए पत्र लिखिए। 3

अथवा

अपने बड़े भाई के विवाह पर अपने मित्र को निमन्त्रित करते हुए पत्र लिखिए।

https://www.rajasthanboard.com

खण्ड-द

19. निम्न काव्यंश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । 3

हमारै हरि हारिल की लकरी।

मन क्रम वचन नन्द नन्द उर, यह दृढ़ करि पकरी।

जागत सोवत स्वप्न दिवस निसि, कान्ह-कान्ह जकरी।

सुनत जोग लागत है ऐसो, ज्यों करूई ककरी।

सु तौ व्याधि हमकौं लै आए, देखी सुनी न करी

यह तौ 'सुर' तिनहिं लै सौंपो, जिनके मन चकरी॥

अथवा

फसल क्या है?

और तो कुछ नहीं है वह

नदियों के पानी का जादू वह

हाथों के स्पर्श की महिमा है

भूरी-काली संदली मिट्टी का गुण धर्म है

रूपान्तर है सूरज की किरणों का

सिमटा हुअ संकोच है हवा की किरकन का।

20. निम्न गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए - 3

यश-कामना बल्कि कहूँ कि यश-लिप्सा, पिताजी की सबसे बड़ी दुर्बलता की और उनके जीवन की धुरी का यह सिद्धान्त कि व्यक्ति को कुछ विशिष्ट बनकर जीना चाहिए- कुछ ऐसे काम करने चाहिए कि समाज में उसका नाम हो, सम्मान हो, प्रतिष्ठा हो, वर्चस्व हो। इसके चलते ही मैं दो-एक बार उनके कोप से बच गई की।

अथवा

ढाली बैठे, कल्पना करते रहने की पुरानी आदत है। नवाब साहब की असुविधा और संकोच के कारण का अनुमान करने लगे। संभव है, नवाब साहब ने बिलकुल अकेले यात्रा कर सकने के अनुमान में किफायत के विचार से सेकंड क्लास का टिकट खरीद लिया हो और अब गवारा न हो कि शहर का कोई सफेदपोश उन्हें मँझले दर्जे में सफर करता देखें।

□ □ □

https://www.rajasthanboard.com